ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

22 November 2024

गुरु घासीदास–तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व

संदर्भ: हाल ही में गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व को भारत का 56वां बाघ अभयारण्य घोषित किया गया है, जोकि बाघ संरक्षण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्य विशेषताएं:

- नागार्जुनसागर-श्रीशैलम (आंध्र प्रदेश) और मानस (असम) के बाद, यह भारत का तीसरा सबसे बड़ा बाघ अभयारण्य है।
- छत्तीसगढ़ में यह चौथा बाघ अभयारण्य है।
- यह लगभग 4,500 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले एक भूदृश्य परिसर का हिस्सा है। टाइगर रिजर्व निम्नलिखित टाइगर रिजर्व से जुड़ा हुआ है:
  - » उत्तर: संजय डुबरी टाइगर रिजर्व (मध्य प्रदेश)
  - » पश्चिम: बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व (मध्य प्रदेश)।
  - » पूर्व: पलामू टाइगर रिजर्व (झारखंड)।
- यह संपर्क एक महत्वपूर्ण अंतर्राज्यीय वन्यजीव गलियारे के रूप में कार्य करता है।
- यह अभयारण्य भारतीय भेड़िया, सुस्त भालू, तेंदुआ और बंगाल बाघ जैसी संकटग्रस्त प्रजातियों का निवास स्थान है।
- गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व की अधिसूचना प्रोजेक्ट टाइगर के तहत राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की सिफारिश के अनुरूप है। एनटीसीए ने अक्टूबर 2021 में अधिसूचना के लिए अपनी अंतिम मंजूरी दी।
- यह छोटा नागपुर पठार और बघेलखंड पठार में स्थित है और अपनी पारिस्थितिक विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहां विभिन्न भूभाग, घने जंगल, और जल निकाय उपलब्ध हैं, जो बंगाल टाइगर के अस्तित्व के लिए आवश्यक हैं।

प्रोजेक्ट टाइगर के बारे में:

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत भारत सरकार द्वारा 1973 में शुरू की गई प्रोजेक्ट टाइगर का उद्देश्य बंगाल टाइगर को संरक्षित करना और उसके आवासीय पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना है। प्रारंभ में इसे 9 बाघ अभयारण्यों में लागू किया गया था और अब यह पूरे भारत में 56 बाघ अभयारण्यों को कवर करता है।
- यह परियोजना बाघों को उनके वैज्ञानिक, आर्थिक और पारिस्थितिक मूल्य के लिए संरक्षित करने पर केंद्रित है, जिसमें शिकार प्रजातियों के संरक्षण सहित एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र दृष्टिकोण अपनाया गया है। यह परियोजना राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा प्रबंधित और बाघ अभयारण्यों और अवैध शिकार विरोधी उपायों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

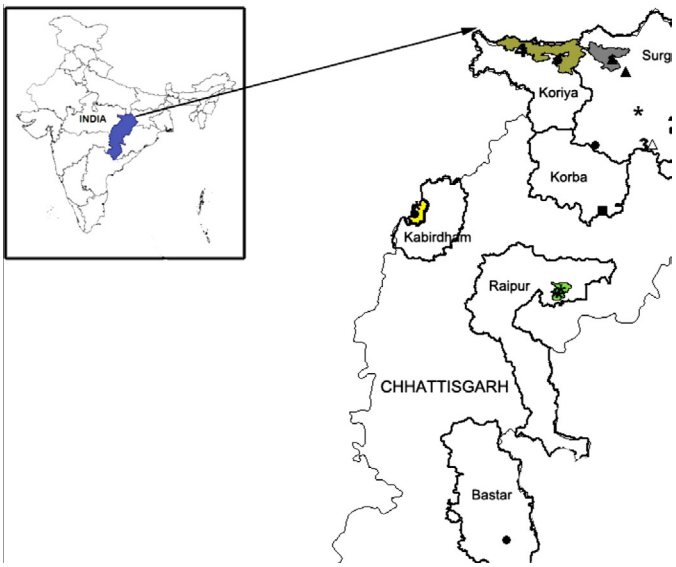

प्रमुख रणनीतियां:

- » **कोर-बफर क्षेत्र:** सख्त संरक्षण के लिए कोर क्षेत्र और मिश्रित उपयोग के लिए बफर क्षेत्र।
- » **तकनीकी नवाचार:** निगरानी और प्रबंधन के लिए यूएवी तकनीक और एम-स्ट्रीप्स (M-STrIPES) का उपयोग।
- » **अवैध शिकार विरोधी उपाय:** विशेष बाघ संरक्षण बल (STPF) का गठन।
- 2023 तक भारत की बाघ आबादी 3,000 से अधिक हो चुकी है, जिससे यह बाघ संरक्षण में विश्व में अग्रणी हो गया है। प्रोजेक्ट टाइगर सामुदायिक सहभागिता और पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देता है, जिससे संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय आजीविका को भी सुदृढ़ किया जा रहा है।

भारत और इटली द्वारा 5–वर्षीय रणनीतिक कार्य योजना

सन्दर्भ: हाल ही में ब्राजील के रियो डी जनेरियो में जी20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने 2025-29 के लिए व्यापक संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना का अनावरण किया।

मुख्य फोकस क्षेत्र:

- यह रणनीतिक योजना में रक्षा, व्यापार, ऊर्जा, अंतरिक्ष और प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग:

- कार्ययोजना का मुख्य उद्देश्य भारत और इटली के बीच रक्षा संबंधों को मजबूत करना है। दोनों नेताओं ने वार्षिक संयुक्त रक्षा परामर्श बैठकें और संयुक्त स्टाफ वार्ता आयोजित करने पर सहमति जताई, जिससे सूचनाओं का आदान-प्रदान, संयुक्त यात्राएं और प्रशिक्षण गतिविधियां सुगम होंगी।

आर्थिक और औद्योगिक सहयोग:

- कार्ययोजना में मजबूत आर्थिक सहयोग की परिकल्पना की गई है, विशेष तौर पर औद्योगिक भागीदारी के माध्यम से। इटली और भारत का लक्ष्य ऑटोमोटिव, सेमीकंडक्टर, बुनियादी ढांचे और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देना है।

कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे का विकास:

- कार्ययोजना का एक प्रमुख घटक कनेक्टिविटी को बढ़ाना है। दोनों देशों ने समुद्री और भूमि अवसंरचना को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता जताई, जिसमें भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा परियोजना पर विशेष ध्यान दिया गया।

अंतरिक्ष और वैज्ञानिक सहयोग:

- योजना में सहयोग के सबसे आशाजनक क्षेत्रों में से एक अंतरिक्ष अन्वेषण है। भारत का भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और इटली की इटैलियन स्पेस एजेंसी (एएसआई) पृथ्वी अवलोकन, हीलियोफिजिक्स और चंद्र विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपने सहयोग का विस्तार करने के लिए तैयार हैं

ऊर्जा संक्रमण और वैश्विक सहयोग:

- भारत और इटली ने वैश्विक स्थिरता पहलों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने का भी संकल्प लिया। दोनों देश ऊर्जा संक्रमण प्रयासों पर मिलकर काम करेंगे, विशेष तौर पर वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के माध्यम से। इन साझेदारियों का उद्देश्य अक्षय ऊर्जा स्रोतों की ओर बदलाव को गति देना और वैश्विक कार्बन फुटप्रिंट को कम करना है।

भारत और इटली संबंध के बारे में:

- भारत और इटली के बीच राजनयिक संबंध 1947 में स्थापित हुए।
- भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1953 में इटली का दौरा किया।
- ऑस्कर लुइगी स्काल्फारो फरवरी 1995 में भारत आने वाले पहले इतालवी राष्ट्राध्यक्ष थे।
- भारतीय प्रधानमंत्री अक्टूबर 2021 में जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली की आधिकारिक यात्रा पर गए थे। मार्च 2023 में, इतालवी प्रधानमंत्री रायसीना डायलॉग के मुख्य अतिथि के रूप में भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर आए।
- मार्च 2023 में इटली के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान भारत और इटली के बीच संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ा दिया गया।
- भारत-प्रशांत क्षेत्र, जिसमें भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और भूमध्य सागर क्षेत्र के बीच संबंध स्थापित किया गया है। इटली भूमध्य सागर के केंद्र में स्थित है और यह भारत-प्रशांत क्षेत्र से जुड़ने का एक प्राकृतिक रास्ता है।
- जर्मनी, बेल्जियम और नीदरलैंड के बाद इटली यूरोपीय संघ में भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।
- द्विपक्षीय व्यापार 14.253 बिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गया, जिसमें भारत का इटली को निर्यात 8.691 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।
- भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और ट्राइस्टे स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल फिजिक्स (आईसीटीपी) ने विकासशील देशों के लिए गणित में डीएसटी-आईसीटीपी रामानुजन पुरस्कार की स्थापना की है। वर्ष 2022 का पुरस्कार प्रो. मोहम्मद मुस्तफा, सेनेगल को मिला।
- 2023-2027 की अवधि के लिए सांस्कृतिक सहयोग हेतु कार्यकारी कार्यक्रम पर 2023 में हस्ताक्षर किए गए, जिससे सांस्कृतिक कूटनीति को और अधिक मजबूती मिलेगी।

भारत की पहली स्वदेशी एंटीबायोटिक: नैफिथ्रोमाइसिन

संदर्भ: हाल ही में भारत ने पहली स्वदेशी एंटीबायोटिक नैफिथ्रोमाइसिन लॉन्च की है, जोकि देश की रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) के खिलाफ लड़ाई में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

- केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा घोषित, नैफिथ्रोमाइसिन को जीवाणुजनित निमोनिया (सीएबीपी) के इलाज के लिए तैयार किया गया है, यह बीमारी दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया के कारण गंभीर बनती है।
- जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) के सहयोग से विकसित यह नया एंटीबायोटिक एएमआर के विरुद्ध लड़ाई में एक आशाजनक समाधान प्रस्तुत करता है।

नेफिथ्रोमाइसिन की मुख्य विशेषताएं:

- **अधिक प्रभावी:** नैफिथ्रोमाइसिन को एजिथ्रोमाइसिन जैसे मौजूदा एंटीबायोटिक्स की तुलना में दस गुना अधिक प्रभावी पाया गया है। यह दवा प्रतिरोधी निमोनिया के खिलाफ महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करता है।
- **उपचार अवधि में कमी:** पारंपरिक एंटीबायोटिक दवाओं के विपरीत, जिनमें लंबे उपचार की आवश्यकता होती है, नैफिथ्रोमाइसिन केवल तीन दिनों के उपचार में प्रभावी है। इससे रोगी की अनुपालन क्षमता और उपचार की प्रभावशीलता में वृद्धि होती है।
- **व्यापक रोगजनक कवरेज:** यह एंटीबायोटिक विशिष्ट और असामान्य दोनों प्रकार के रोगजनकों को लक्षित करता है, जो एंटीबायोटिक विकास

में एक महत्वपूर्ण कमी को दूर करता है। पिछले 30 वर्षों में इस वर्ग में कोई नया एंटीबायोटिक विकसित नहीं किया गया है।

- **बेहतर सुरक्षा और सहनशीलता:** नैफिथ्रोमाइसिन के नैदानिक परीक्षणों में न्यूनतम जठरांत्र संबंधी दुष्प्रभाव और कोई महत्वपूर्ण दवा-खाद्य अंत:क्रिया नहीं पाई गई। इसकी सहनशीलता दर अधिक है, जो इसे विभिन्न प्रकार के रोगियों के लिए उपयुक्त बनाती है।

वैश्विक एएमआर संकट:

- **एएमआर का वैश्विक खतरा:** एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (AMR) वैश्विक स्वास्थ्य सेवा के लिए गंभीर चुनौती है, जो संक्रमणों का इलाज कठिन बना देता है। यह बीमारी की गंभीरता, मृत्यु दर और स्वास्थ्य सेवा लागत में वृद्धि करता है। निमोनिया, जो हर साल 2 मिलियन से अधिक मौतों का कारण बनता है, एएमआर के वैश्विक बोझ में प्रमुख योगदान देता है। भारत में ऐसे मामलों का 23% हिस्सा दर्ज किया जाता है।
- **विकास की उपलब्धियां:** नैफिथ्रोमाइसिन के विकास में 14 वर्ष और 500 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। इसकी प्रभावशीलता को प्रमाणित करने के लिए अमेरिका, यूरोप और भारत में क्लिनिकल परीक्षण किए गए, जो इसकी बहु-आबादी में उपयोगिता को सुनिश्चित करते हैं।

भारत के लिए महत्व:

- **सार्वजनिक-निजी भागीदारी:** नैफिथ्रोमाइसिन का विकास सरकार, अनुसंधान संस्थानों और दवा उद्योग के बीच सफल सहयोग का उदाहरण है। यह भारत की घरेलू स्वास्थ्य देखभाल समाधान विकसित करने की क्षमता को सशक्त करता है।
- **वैश्विक स्वास्थ्य नेतृत्व:** इस एंटीबायोटिक के लॉन्च से भारत को एएमआर के खिलाफ वैश्विक प्रयासों में एक प्रमुख भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा। यह विशेष रूप से विश्व एएमआर जागरूकता सप्ताह के दौरान जागरूकता बढ़ाने और भारत की स्थिति को मजबूत करने में सहायक होगा।

एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (AMR):

- एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (AMR) तब होता है जब बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी जैसी सूक्ष्मजीव दवाओं के प्रभाव का सामना करने की क्षमता विकसित कर लेते हैं। इससे संक्रमण का इलाज मुश्किल हो जाता है, जिसके कारण बीमारी लंबे समय तक रहती है, स्वास्थ्य सेवा की लागत बढ़ती है और मृत्यु दर बढ़ जाती है।
- यह प्रतिरोध स्वाभाविक रूप से समय के साथ आनुवंशिक बदलावों के कारण हो सकता है, लेकिन एंटीबायोटिक्स, एंटीवायरल, एंटीफंगल और एंटीपैरासिटिक दवाओं के अत्यधिक उपयोग और दुरुपयोग के कारण यह समस्या तेजी से बढ़ रही है।

भारत में लैंगिक संवेदनशील बजट की प्रभावशीलता में सीमित प्रगति: संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट

सन्दर्भ: हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में बताया गया है कि जेंडर रिस्पॉन्सिव बजटिंग (जीआरबी) में भारत के प्रयासों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट में महिलाओं पर केंद्रित आवश्यक कार्यक्रमों का अभाव और लिंग-विश्लेषित डेटा की कमी जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को रेखांकित किया गया है, जोकि लैंगिक असमानताओं को समाप्त करने में जेंडर रिस्पॉन्सिव बजटिंग (जीआरबी) की प्रभावशीलता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करते हैं।

जेंडर बजटिंग:

- लिंग बजट एक ऐसा उपकरण है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सार्वजनिक संसाधनों का आवंटन महिलाओं और हाशिए पर पड़े समूहों की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रभावी ढंग से किया जाए।
- भारत ने 1993 में CEDAW (संयुक्त राष्ट्र की महिलाओं के अधिकारों से संबंधित कन्वेंशन) का अनुसमर्थन किया और 2005-2006 के केंद्रीय बजट में अपना पहला जेंडर बजट स्टेटमेंट (GBS) प्रस्तुत किया।
- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MWCD) केंद्रीय नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है, जबकि वित्त मंत्रालय सभी मंत्रालयों में जेंडर बजट प्रकोष्ठों की स्थापना का कार्य करता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष:

- **महिलाओं केंद्रित कार्यक्रमों पर सीमित ध्यान:** स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और सामाजिक कल्याण के आवश्यक कार्यक्रमों पर कम ध्यान दिया जाता हैं, जिसके परिणामस्वरूप लिंग-विशिष्ट आवश्यकताओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता है।
- **लिंग-विभाजित आंकड़ों का अभाव:** भारत को लिंग-विभाजित आंकड़ों को एकत्र करने और उपयोग करने में कठिनाई होती है, जिससे संसाधनों की प्रभावी ट्रैकिंग और महिलाओं पर उनके प्रभाव में बाधा आती है।
- **कमजोर निगरानी और कार्यान्वयन:** महिला कल्याण के लिए आवंटित निधियों की प्रभावी निगरानी में सीमित जवाबदेही के कारण मजबूत निगरानी तंत्र की आवश्यकता है, ताकि धन का उचित और लक्षित उपयोग सुनिश्चित हो सके।
- **बजट प्राथमिकता में अपर्याप्त एकीकरण:** बजट प्रक्रिया की शुरुआत से ही लिंग संबंधी विचारों को एकीकृत किया जाना चाहिए, ताकि सभी योजनाओं में महिलाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं को समुचित स्थान मिल सके।

सिफारिशें:

- **बेहतर डेटा संग्रहण:** लिंग-विभाजित डेटा होने से महिलाओं की आवश्यकताओं का सटीक पता लगाने और बेहतर ढंग से उनका समाधान करने में मदद मिलेगी।
- **मजबूत निगरानी:** क्षेत्रीय स्तर पर बेहतर निगरानी तंत्र यह सुनिश्चित करेगा कि धन का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए।
- **उप-राष्ट्रीय सरकारों की सहभागिता:** हाशिए पर रहने वाली महिलाओं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, तक पहुंचने के लिए राज्य और स्थानीय स्तर पर लिंग आधारित बजट को अपनाया जाना चाहिए।
- **क्षमता निर्माण:** लिंग बजट में अधिकारियों को प्रशिक्षण देने से प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित होगा।
- **सार्वजनिक भागीदारी:** बजट प्रक्रिया में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से अधिक समावेशिता को बढ़ावा मिलेगा।

जेंडर बजट स्टेटमेंट (जीबीएस) 2024-25 की मुख्य विशेषताएं:

- **महिला-आधारित आवंटन में वृद्धि:** 2024-25 के बजट में महिला-समर्थक योजनाओं के लिए कुल बजट का 6.8% हिस्सा आवंटित किया गया है, जो पहले के 5% से अधिक है।
- **योजनाओं को वर्गीकरण-भाग सी:** भाग सी में उन योजनाओं को शामिल किया गया है, जिनमें महिलाओं के लिए 30% तक का आवंटन होता है, जैसे पीएम किसान। (भाग ए में वे योजनाएं हैं जिनमें 100% आवंटन होता है, जैसे सामर्थ्य, जोकि कुल जीबीएस आवंटन का लगभग 40% हैं। भाग बी में वे योजनाएं हैं जिनमें 30% से 99% तक आवंटन होता है, जैसे पीएम अजय।)

पॉवर पैक्ड न्यूज़

हरेकृष्ण महताब की 125वीं जयंती

- हरेकृष्ण महताब की 125वीं जयंती 'उत्कल के नाम से प्रसिद्ध' 22 नवंबर 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में मनाई जाएगी। इस अवसर पर भारत की राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू सहित कई महत्वपूर्ण मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे।
- महताब के सम्मान में एक स्मारक टिकट और सिक्का जारी किया जाएगा। साहित्य अकादमी ओड़िया में एक मोनोग्राफ और उनकी कृति 'गांव' का हिंदी और अंग्रेजी में अनुवाद सहित पुस्तकों का विमोचन करेगी।
- संस्कृति मंत्रालय द्वारा डॉ. महताब के जीवन और उनके योगदान को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, साथ ही राष्ट्रीय चित्रकला शिविर के दौरान ओडिशा के कलाकारों द्वारा बनाई गई कलाकृतियाँ भी प्रदर्शित की जाएंगी।

डॉ. हरेकृष्ण महताब के बारे में:

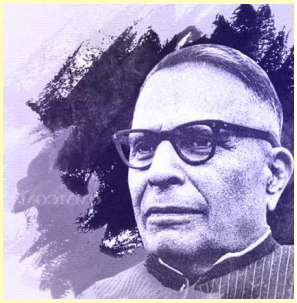

- डॉ. हरेकृष्ण महताब का जन्म 21 नवंबर 1899 को हुआ था। वे एक स्वतंत्रता सेनानी, लेखक और समाज सुधारक थे। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भाग लिया और कई बार जेल गए।
- ओडिशा के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने राज्य को भारत में एकीकृत करने और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने ओडिशा के इतिहास और ग्रामीण जीवन पर आधारित साहित्य में भी अहम योगदान दिया, जिसके लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनके प्रयासों ने ओडिशा और भारत पर गहरी छाप छोड़ी है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

भारत ने महिला हॉकी में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीती

- हाल ही में भारत ने महिला हॉकी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर लगातार दूसरा खिताब हासिल किया।
- राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में भारत ने चीन को 1-0 से हराया। दीपिका ने 31वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से विजयी गोल किया और 11 गोल के साथ टूर्नामेंट में शीर्ष स्कोरर बनी। उन्हें टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया।
- इस जीत के साथ भारत ने तीसरी बार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता और दक्षिण कोरिया के तीन जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की। भारत ने इससे पहले 2016 और 2023 में खिताब जीता था। कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में जापान ने मलेशिया को 4-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बारे में:

- महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी एक द्विवार्षिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है, जिसमें एशिया की शीर्ष छह महिला हॉकी टीमें भाग लेती हैं। इस टूर्नामेंट में एशियाई हॉकी महासंघ के सदस्य संघों की टीमें शामिल हैं। दक्षिण कोरिया ने तीन बार इस प्रतियोगिता को जीतकर सबसे अधिक खिताब जीते हैं, जबकि जापान ने दो बार टूर्नामेंट जीता है। यह टूर्नामेंट एशियाई महिला हॉकी टीमों की प्रतिस्पर्धी भावना और कौशल को उजागर करता है।

तिल के पौधों को प्रभावित करने वाले नए सूक्ष्म जीव की पहचान

- पश्चिम बंगाल के मिदनापुर में तिल की फसलों को प्रभावित करने वाली बीमारी को फैलाने सूक्ष्म जीव की पहचान की गई है। प्रोफेसर गौरव के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने बोस इंस्टीट्यूट के डॉ. गंगोपाध्याय के साथ मिलकर रोग के प्रेरक कारक के रूप में कैंडिडेटस नामक जीवाणु (फाइटोप्लाज्मा, मॉलिक्यूलटस बैक्टीरिया का एक प्रकार) की पहचान की।
- यह जीवाणु पौधों के फ्लोएम में पनपता है और मुख्य रूप से फ्लोएम खाने वाले कीटों जैसे लीफहॉपर और प्लांट-हॉपर के माध्यम से फैलता है।

- इस बीमारी के कारण तिल के पौधे फूल और फल लगने के बाद वानस्पतिक अवस्था में लौट आते हैं। फूल, जोकि आमतौर पर गुलाबी रंग के होते हैं, वे हरे हो जाते हैं, जिससे फसल का सामान्य विकास चक्र बाधित होता है।
- तिल, जिसे 'तेल की रानी' के नाम से जाना जाता है, को इसके औषधीय गुणों के लिए महत्व दिया जाता है, जिसमें हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी एंटीऑक्सीडेंट शामिल हैं। हालाँकि, हाल ही में एक बीमारी ने इस क्षेत्र के तिल किसानों के लिए एक बड़ी चिंता पैदा कर दी है।
- प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्टर में प्रकाशित यह खोज तिल के पौधों के चयापचय मार्गों पर रोग के प्रभाव को उजागर करती है। इस सूक्ष्म जीव को समझने से तिल की फसलों के लिए बेहतर प्रबंधन रणनीतियाँ बनाई जा सकती हैं।

वेव्स: प्रसार भारती का नया ओटीटी प्लेटफॉर्म

20 नवंबर 2024 को प्रसार भारती ने गोवा में 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) में अपना नया ओटीटी प्लेटफॉर्म वेव्स लॉन्च किया। यह प्लेटफॉर्म डिजिटल स्ट्रीमिंग सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है और परिवार के अनुकूल और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध सामग्री पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- वेव्स प्लेटफॉर्म रामायण, महाभारत, शक्तिमान और हम लोग जैसे क्लासिक भारतीय टेलीविजन शो प्रस्तुत करता है, जोकि आधुनिक दर्शकों को आकर्षित करते हुए पुरानी पीढ़ियों की यादें ताजा करता है। इस मंच में समाचार, वृत्तचित्र और क्षेत्रीय सामग्री का मिश्रण शामिल है, जोकि समावेशिता का समर्थन करता है और भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है।
- वेव्स 12 से अधिक भाषाओं और 10 से अधिक शैलियों में सामग्री उपलब्ध कराता है, जोकि पूरे देश में व्यापक दर्शकों को सेवा प्रदान करता है।
- अयोध्या से भगवान श्री राम लला की आरती और प्रधानमंत्री के मन की बात जैसे लाइव प्रसारण होंगे। वेव्स पारंपरिक प्रसारण के सर्वोत्तम पहलुओं को आधुनिक डिजिटल रुझानों के साथ जोड़ता है, जिसका उद्देश्य दर्शकों को भारत की सांस्कृतिक और भावनात्मक विरासत से जोड़ना है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029